मॉडल प्रश्न–पत्र काप्रारूप

कक्षा–12 विषय– व्यवसाय अध्ययन अवधि– 3.15 धण्टे पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	18	22.5
2.	अवबोध / अर्थग्रहण	40	50
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	18	22.5
4.	कौशल / मौलिकता	4	5
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार–

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंकप्रतिप्रश्न	कुलअंक	प्रतिशत	सम्भावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक	–	–	–	–	–
2.	अतिलघूत्तरात्मक	10	1	10	12.5	10 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक I	8	2	16	20	30 मिनट
4.	लघूत्तरात्मक II	9	4	36	45	70 मिनट
5.	निबंधात्मक	3	6	18	22.5	60 मिनट
	योग	**30**	–	**80**	**100**	**170 मिनट**

विकल्प योजना : आन्तरिक

पुनरावलोकन – 10 मिनट
प्रश्न पत्र पठन – 15 मिनट

3. विषय वस्तुकाअंकभार –

क्र.सं.	इकाई	अंकभार	प्रतिशत
1.	प्रबंध	16	20
2.	अभिप्रेरणा एंव नेतृत्व	8	10
3.	विज्ञापन	8	10
4.	व्यापारिकविधि	16	20
5.	उद्यमिता	8	10
6.	बीमा	8	10
7.	निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नैतिकता	8	10
8.	वस्तु (माल) एवं सेवा कर	8	10
9.		80	100
10.			
11.			
12.			
13.			
14.			
15.			
16.			
17.			
18.			
19.			

www.rajteachers.com

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

विषय :–व्यवसाय अध्ययन पूर्णाक :– 80

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उप इकाई	ज्ञान				अवबोध				ज्ञानोपयोगी / अभिव्यक्ति				कौशल / मौलिकता				योग
		अति लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं	अति लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं	अति लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं	अति लघु	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं	
1.	प्रबंध	2 (2)	–	–	1 (1)	–	4 (2)	4 (1)	5 (–)	–	–	–	–	–	–	–	–	16
2.	अभिप्रेरणा एवं नेतृत्व	–	–	–	–	–	–	8 (2)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	8
3.	विज्ञापन	–	2 (1)	–	–	–	–	–	–	–	–	6 (1)	–	–	–	–	–	8
4.	व्यापारिक विधि	1 (1)	1 (1)	–	–	1 (1)	4 (2)	–	5 (–)	–	–	4 (1)	–	–	–	–	–	16
5.	उद्यमिता	1 (1)	–	–	–	1 (1)	–	4 (1)	–	–	2 (1)	–	–	–	–	–	–	8
6.	बीमा	2 (2)	–	–	–	–	–	4 (1)	–	–	2 (1)	–	–	–	–	–	–	8
7.	निगमीय सामाजिक उत्तरदायित्व एवं नैतिकता	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	4 (1)	–	–	–	4 (1)	–	8
8.	वस्तु (माल) एवं सेवा कर	2 (2)	2 (1)	4 (1)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	8
9.																		
10.																		
11.	योग	8 (8)	5 (3)	4 (1)	1 (1)	2 (2)	8 (4)	20 (5)	10 (1)	–	4 (2)	14 (3)				4 (1)		
12.	कुल योग		**18**				**40**					**18**			**4**			**80**

विकल्पों की योजना :–

नोट :– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंको की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

हस्ताक्षर

प्रश्न संख्या 28 से 30 में आन्तरिक विकल्प है।

www.rajteachers.com

खण्ड–अ

Section -- A

1. वैज्ञानिक प्रबंध के जन्मदाता कौन है ?

Who is the founder of scientific management ? {1}

2. प्रबंध में नवप्रवर्तन को समझाइए।

Explain innovation in management. {1}

3. गर्भित प्रस्ताव से आप क्या समझते हैं ?

What do you mean by impied contract ? {1}

4. एजेण्ट तथा ठेकेदार में अन्तर बताइए। (कोई एक)

What is the difference between agent and contractor. (Any one) {1}

5. प्रो0 राव एवं मेहता के अनुसार उद्यमिता की परिभाषा दीजिए।

Give definition of entrepreneurship according to Professor Rao and Mehta ? {1}

6. एक उद्यमी का परिश्रमी होना क्यों आवश्यक है ?

Why is it essential for the entrepreneur to be hard working ? {1}

7. बीमा पत्र से क्या तात्पर्य है ?

What do you mean by insurance policy ? {1}

8. बीमा अभिकर्ता से आप क्या समझते हैं ?

What do you mean by insurance agent ? {1}

9. भारत में सेवा कर कब लागू हुआ ?

When was service tax implemented in India ? {1}

10. सर्वप्रथम विक्रय–कर भारत के कौन से राज्य में लागू हुआ?

In which state did the law of sale tax come into force for the first time in India? {1}

www.rajteachers.com

खण्ड–ब

Section -- B

11. ''प्रबंध सर्वव्यापी है'' स्पष्ट कीजिए।

"Management is universal".Explain. {2}

12. एक पेशेवर प्रबंधक की दो विशेषताएं लिखिए।

Write two features of a professional manager. {2}

13. सरोगेट विज्ञापन से क्या आशय है ?

What do you mean by surrogate advertising ? {2}

14. 'बीमा दान नहीं है' क्या आप इस कथन से सहमत हैं ?

"Insurance is not a donation" Do you agree with the statement? {2}

15. एक वैध अनुबंध के दो लक्षण बताइए।

Explain two elements of a valid contract. {2}

16. 'उत्पीडन' क्या है ?

What is coercion ? {2}

17. क्या आपकी राय में उद्यमिता एक व्यवहार है ? समझाइए।

Do you opine that entrepreneurship is a practice? Explain. {2}

18. 'जी.एस.टी.' से आप क्या समझते हैं ?

What do you mean by G.S.T. ? {2}

www.rajteachers.com

खण्ड–स

Section -- C

19. प्रबंध के किन्हीं चार सहायक कार्यों को स्पष्ट कीजिए।

Explain any four subsidiary functions of management. {4}

20. हेनरी फेयोल द्वारा प्रतिपादित ''व्यवस्था के सिद्धान्त '' व ''अनुशासन के सिद्धान्त'' को स्पष्ट कीजिए।

Explain the 'principle of order' and 'principle of discipline' according to Hanery fayol. {4}

21. उद्देश्यों द्वारा प्रबंध में संस्था को होने वाले चार लाभों का वर्णन कीजिए।
Describe four advantages of organisation in management by objective. {4}

22. विपणन प्रबंध के कोई चार कार्य स्पष्ट कीजिए।

Explain any four functions of marketing management. {4}

23. बीमा की चार सामाजिक उपयोगिताओं का वर्णन कीजिए।

Describe any four social utilities of insurance. {4}

24. उद्यमिता विकास कार्यक्रम के उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। (कोई चार)

Explain objectives of entrepreneurship development programme. (Any four) {4}

25. आप एक प्रबंधक हैं। प्रबंधक के रूप में कर्मचारियों के प्रति सामाजिक दायित्वों को समझाइए।

You are a manager. Explain the social responsibilities of the manager unto the empliyees {4}

26. प्रबंध के सामाजिक दायित्व का चित्र बनाइए।

Draw a diagram of social responsibilities in management. {4}

27. जी.एस.टी. के अन्तर्गत व्यापारी को कौनसी विवरणियां प्रस्तुत करनी होती हैं ? वर्णन कीजिए।
Which returns a trader ought to submit under G.S.T. ? Elaborate. {4}

www.rajteachers.com

खण्ड–द

Section -- D

28. प्रबंध से आप क्या समझते हैं ? इसकी किन्हीं पांच विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

अपवाद द्वारा प्रबंध से आप क्या समझते हैं ? इसके पांच लाभों का वर्णन कीजिए।{1+5}

What do you mean by management ? Explain any five characteristics of managment. {1+5}

OR

What do you mean by ‘management by exception’? Describe its five advantages. {1+5}

29. माना आप एक निर्माता हैं। बिक्री बढाने के लिए व्यापारियों को आकर्षित करने हेतु आप कौनसी विधि अपनायेंगे। सुझाव दीजिए।

अथवा

एक विक्रय प्रबंधक के रूप में आप बिक्री बढाने हेतु विज्ञापन के कौन–कौन से माध्यम अपनाना चाहेंगे।

Assume you are a manufacturer Which of the sales promotion methods would you adopt to attract the tarders ? Give suggestions. {6}

OR

As a sales manager which of the medium of advertisement would you like to use to increase the sales? {6}

30. एजेंसी से क्या तात्पर्य है ? एक एजेंट के पांच अधिकारों का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्रतिफल से क्या आशय है ? इसके प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए। (कोई पाँच)

What is meant by agency? Enumerate five rights of an agent. {1+5}

OR

What is meant by consideration? Describe its main provisions. (Any five) {1+5}

---

www.rajteachers.com

उत्तर तालिका – व्यवसाय अध्ययन

प्रश्न संख्या	अपेक्षित उत्तर	खंडवार अंक	अंक	पाठ्य पुस्तक की संख्या
1	एफ. डब्ल्यू. टेलर		1	3
2	किसी वस्तु में परिवर्तन करके उसे अधिक उपयोगी बनाना		1	6
3	कार्यो या आचरण द्वारा प्रकट प्रस्ताव		1	73
4	एजेण्ट मालिक के निर्देशानुसार कार्यरत व ठेकेदार अनुबंध के अधीन ठेकेदार की भूमिका एजेण्ट के रूप में एजेण्ट की ठेकेदार के रूप में नहीं।		1	84
5	प्रो. राव एवं मेहता – '' उद्यमिता को वातावरण के सृजनात्मक एवं नवाचारी प्रत्युत्तर के रूप में वर्णित किया जा सकता है।''		1	88
6	एक उद्यमी को व्यवसाय में सफल होने के लिए		1	92
7	वह लिखित प्रलेख जिसके द्वारा बीमाकर्ता व बीमित के बीच बीमा अनुबंध किया जाता है।		1	102
8	बीमाकर्ता और बीमित के मध्य कार्य करने वाला व्यक्ति		1	114
9	1 जुलाई 1994		1	128
10	मध्यप्रदेश		1	128
	खण्ड (ब)			
11	प्रबन्ध सर्वत्र तथा समान रूप से पाया जाता है। सभी तरह के संगठनों में एवं सभी देशो में प्रबन्ध प्रक्रिया समान रूप से पायी जाती है। प्रबन्ध सिद्धान्तो का प्रयोग सभी संगठनों में किया जाता है।		2	09
12	1. ज्ञान एवं तकनीक के प्रति समर्पित। 2. आधुनिक प्रबन्धकीय तकनीकों का प्रयोग। 3. टीम भावना पर बल। 4. परिवर्तन प्रबन्ध हेतु तेयार। 5. नियुक्ति एवं पदोन्नति दक्षता पर आधारित। 6. अनुकूलतम निर्णय प्रक्रिया। 7. समाज के प्रति उत्तरदायित्व। (इनमें से कोई दो)		2	09
13	सरोगेट विज्ञापन के अन्तर्गत वो कम्पनियां आती हैं जो अपने उत्पादों के प्रत्यक्ष विज्ञापन नहीं करती है। ये अपने उत्पादों को बेचने के लिए अप्रत्यक्ष तकनीकों का प्रयोग करते हैं।		2	67
14	हाँ, क्योंकि दान बिना किसी वास्तविक प्रतिफल के लिए ही दिया जाता है, जबकि बीमा में वैध और वास्तविक प्रतिफल होता है।		2	101
15	वैध अनुबंध के लक्षण :– 1. दो या दो से अधिक पक्षकार होना 2. ठहराव का होना 3. वैधानिक सम्बन्ध स्थापित करने की इच्छा 4. पक्षकारों में अनुबन्ध करने की क्षमता 5. सहमति 6. वैधानिक प्रतिफल एवं उद्देश्य 7. निश्चितता 8. निष्पादन की संभावना 9. व्यर्थ घोषित ठहराव न होना 10. वैधानिक ओपचारिकताओं का पालन (इनमें से कोई दो)	1+1	2	71

www.rajteachers.com

उत्तर तालिका – व्यवसाय अध्ययन

16	उत्पीड़न का आशय – उत्पीड़न का आशय जोर जबरदस्ती, दबाव, धमकी अथवा बल प्रयोग आदि से लिया जाता है।		2	77
17	उद्यमिता एक व्यवहार है – जो उद्यमी अपने व्यवहार से जितना अधिक जोखिम वहन करेगा, नवीन कार्य करेगा, नवाचार करेगा, वह उतना ही प्रखर व बड़ा उद्यमी बनता जाता है।		2	89
18	जी.एस.टी. से आशय – जी.एस.टी. एक अप्रत्यक्ष कर है जो माल के उत्पादन एवं विक्रेता पर समान रूप से लगाया जाता है। यह एक तरह का मूल्य संवर्धित कर है जो किसी वस्तु या सेवा के विक्रय के प्रत्येक स्तर पर वर्धित मूल्य पर लगाया जाता है।		2	129
	खण्ड (स)			
19	प्रबन्ध के सहायक कार्य – 1. निर्णयन 2. नियुक्ति करना 3. नवाचार 4. सम्प्रेषण 5. प्रतिनिधित्व	1+1+1+1	4	16
20	हेनरी फेयॉल के सिद्धान्त – 1. अनुशासन – कर्मचारियों में ऐसे व्यवहार को उत्पन्न करना जो संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सहायक हों। 2. व्यवस्था – प्रत्येक वस्तु के लिए निश्चित स्थान हो, प्रत्येक वस्तु अपने स्थान पर हो तथा सही व्यक्ति सही स्थान पर हो।	2+2	4	23,24
21	उद्देश्यों द्वारा प्रबन्ध में संस्था को लाभ – 1. श्रेष्ठ प्रबन्धन 2. श्रेष्ठ नियोजन 3. संगठन की स्पष्टता 4. वचनबद्ध निष्पादन 5. प्रभावी नियंत्रण (कोई चार)	1+1+1+1	4	27
22	विपणन प्रबन्ध के कार्य – 1. बाजार विश्लेषण के कार्य 2. विपणन नियोजन 3. विपणन संचार कार्य 4. उत्पादन का रूपांकन एवं विकास 5. बाजार वर्गीकरण 6. प्रमाणीकरण एवं श्रेणीयन 7. पैकेजिंग एवं लेवलिंग 8. बॉन्डिग 9. ग्राहक समर्थन सेवाएं 10. उत्पाद का मूल्य निर्धारण 11. विक्रय 12. परिवहन 13. संग्रहण 14. वित्त व्यवस्था 15. जोखिम उठाना (कोई चार)	1+1+1+1	4	47,49
23	बीमा की सामाजिक उपयोगिता – 1. पारिवारिक जीवन में स्थायित्वता 2. जोखिमों की सामूहिक विभाजन 3. सामाजिक बुराइयों की रोकथाम 4. सभ्यता का प्रतीक			

www.rajteachers.com

	5. जीवन स्तर में सुधार 6. स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता 7. शिक्षा को प्रोत्साहन 8. समाज में रोजगार अवसरों का विकास 9. सामाजिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति में सहायक 10. सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का क्रियान्वयन 11. आर्थिक आत्मनिर्भरता की प्राप्ति में सहायक 12. सामाजिक परिवर्तन का साधन (कोई चार)	1+1+1+1	4	109,110
24	उद्यमिता विकास कार्यक्रम के उद्देश्य – 1. प्रथम पीढ़ी के व्यवसायियों का निर्माण करना। 2. उद्यमी गुणों का विकास करना। 3. सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करना। 4. परियोजना निर्माण में सहायक 5. उद्यमिता के लाभ–दोषों से अवगत कराना। 6. देश में उद्यमिता को विकसित करना। 7. व्यवसाय संचालन व निर्माण संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करना। 8. लघु एवं कुटीर उद्योगो को विकसित करना। 9. उद्यमियों की समस्याओं का निदान करना। (कोई चार)	1+1+1+1	4	95,96
25	प्रबन्धक का कर्मचारियों के प्रति दायित्व – 1. उचिव वेतन 2. प्रेरणात्मक मजदूरी योजना 3. कार्य की सुरक्षा 4. स्वस्थ कार्य दशाएँ 5. श्रम कल्याण 6. सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था 7. योग्यता एवं रूचि के अनुसार कार्य विभाजन 8. प्रशिक्षण 9. पदोन्नति के अवसर 10. प्रबन्ध में हिस्सेदारी 11. व्यक्तित्व विकास (काई चार)	1+1+1+1	4	121
26	प्रबन्ध का सामाजिक दायित्व का चित्र – 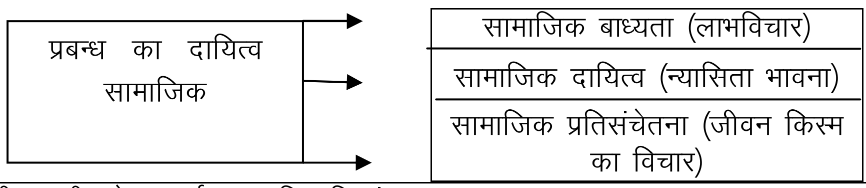 		4	120
27	जी.एस.टी. के अन्तर्गत का विवरणियां – 1. बिक्रीकर विवरण 2. खरीद विवरण 3. मासिक विवरणी	1+1+2	4	134
28	प्रबन्ध से आशय :– प्रबन्ध एक कला एवं विज्ञान है जो अन्य व्यक्तियों से कार्य करवाने, लागत को कम करने एवं उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होता है। प्रबन्ध की विशेषताएँ – 1. प्रबन्धकीय कार्यो को सम्पन्न करना। 2. निर्धारित उद्देश्य 3. मानवीय कार्य 4. चुनौतीपूर्ण कार्य 5. सृजनात्मक कार्य 6. सामान्य सिद्धान्तों का होना।			

	7. नेतृत्व की क्षमता 8. निर्णयन में सहायक 9. अधिकार एवं दायित्व की श्रंखला निर्माण 10. वातावरण से प्रभावित 11. समन्वय प्रक्रिया 12. प्रभावी उत्पादकता 13. अदृश्य शक्ति (कोई पॉच)	1+5	6	3,4
	अथवा अपवाद द्वारा प्रबन्ध – प्रबन्धीय तकनीक उच्च प्रबन्धकों के समक्ष केवल वही जानकारी प्रस्तुत करने पर बल देती है जिसकी उन्हें जरूरत होती है। लाभ – 1. समय की बचत 2. अधिशाषी प्रयत्नों को संकेन्द्रित किया जाना 3. जटिल समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करना। 4. व्यापकता 5. निर्णयन की बारम्बारता में कमी 6. समंको का पूर्णतम उपयोग 7. उचित मापदण्ड 8. संकटों के प्रति संचेत करना 9. नव कार्यो को सम्पन्न कराने में आसानी 10. व्यवसायिक पहलुओं की व्यापक जानकारी (कोई पांच)	1+5	6	29
29	व्यापारी संवर्द्धन विधियां– 1. विक्रय प्रतियोगितायें 2. भत्ते 3. सभायें एवं सम्मेलन 4. प्रशिक्षण 5. फैशन शो 6. व्यापारी प्रीमियम 7. विशिष्ट सेवाऐं 8. प्रबन्ध सहायता (कोई छः)	1x6	6	57,58
	अथवा विज्ञापन के माध्यम – 1. बाह्य विज्ञापन 2. समाचारीय विज्ञापन 3. पत्रिका विज्ञापन 4. सैण्डविच मैन विज्ञापन 5. डाक द्वारा प्रत्यक्ष विज्ञापन 6. मनोरंजन विज्ञापन 9. क्रय बिन्दु विज्ञापन (कोई छः)	1x6	6	60,61
30	ऐजेन्सी का आशय – ऐजेन्सी के अन्तर्गत प्रधान अपने एजेण्ट को अधिकार देता है कि वह अपने प्रधान का अन्य व्यक्तियों के साथ अनुबंधात्मक सम्बन्ध स्थापित करें। ऐजेण्ट के अधिकार 1. पारिश्रमिक प्राप्ति का 2. हानि की क्षति की पूर्ति का 3. संकट काल में आवश्यक कार्य 4. अनुबंध से मुक्ति का 5. व्यापारिक परम्परा के अनुसार कार्य करना 6. उपएजेण्ट तथा स्थानापन्न एजेण्ट की नियुक्ति (कोई पांच)	1+5	6	84,85

www.rajteachers.com

	अथवा प्रतिफल से आशयः – प्रतिफल से तात्पर्य उस मूल्य से है, जो वचनदाता के वचन के बदले वचन गृहीता द्वारा दिया जाता है। प्रतिफल सम्बन्धी प्रावधान – 1. वचनदाता की स्वीकृति। 2. लाभ का निश्चित न होना। 3. वचनदाता अथवा किसी व्यक्ति के द्वारा। 4. सकारात्मक तथा नकारात्मक। 5. भूत, वर्तमान या भावी। 6. प्रत्येक अनुबंध में संभव होना। 7. वास्तिविक एवं मूल्यवान होना। 8. वैध तथा निश्चित होना। (कोई पांच)	1+5	6	78